Roll No. ..... Total Pages: 04

1606

B.A. /B.Ed. (FIRST YEAR) EXAMINATION, 2018

हिन्दी साहित्य

(मध्यकालीन काव्य)

Paper – II

Time: Three Hours

Maximum Marks: 60

Instructions:

*Attempt **five** questions in all, selecting at least **one** question from each Unit. The answer of essay type questions should not be more than **400** words and short answer type of questions in not more than **150** words. All questions carry equal marks.*

निर्देश :

*प्रत्येक इकाई में से कम–से–कम **एक** प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। निबन्धात्मक प्रश्न का उत्तर अधिकतम **400** शब्दों में और लघुत्तरात्मक प्रश्न का उत्तर अधिकतम **150** शब्दों में लिखिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

इकाई – I

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए –

(अ) दुलहिनि गावहु मंगलचार। (6)

मोरे घर आए हो राजा राम भरतार।।

तन रत करि मैं मन रत करिहूँ, पंचतत्त बाराती।

रामदेव मोरैं पाँहुनैं आए, मैं जोबन मैं माती।।

सरीर सरोवर बेदी करिहूँ, ब्रह्मा वेद उचार।

रामदेव सँगि भाँवरी लैहूँ, धनि धनि भाग हमार।।

सुर तेतीसूँ कौतिग आये, मुनिवर सहस अठासी।

कहैं कबीर हम ब्याहि चले हैं, पुरिष एक अबिनासी।।

(ब) बसौ मेरे नैनन में नँदलाल, (6)

मोहनी मूरति साँवरी सूरति, नैना बने बिसाल।

अधर सुधारस मुरली राजति, उर बैजन्ती माल।।

क्षुद्र घंटिका कटि तट सोभित, नूपुर सबद रसाल।

मीरा प्रभु संतन सुखदायी, भक्त बछल गोपाल।।

अथवा

प्र.1 (अ) या लकुटि अरु कामरिया पर, राज तिहूँ पुर को तजि डारौं। **(6)**

आठहूँ सिद्धि नवौ निधि के सुख, नंद की गाइ चराइ बिसारौं।।

रसखान कबौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।

कोटिक ए कलधौत के धाम, करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

(ब) जसोदा हरि पालने झुलावैं, **(6)**

हलरावें दुलराइ मल्हावैं, जोई सोई कबु गावैं।

मेरे लाल को आऊ निंदरिया काहै न आनि सुवावै।

तू काहे नहिं बेगहिं आवै, तोकौं कान्ह बुलावै।

कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत है, कबहुँ अधर फरकावै।

सोवत जानि मौन हवै कै रहि, करि–करि सैन बतावै।

इहिं अन्तर अकुलाई उठै हरि, जसुमति मधुरैं गावैं।

जो सुख सूर अमर मुनि दुलर्भ, सो नन्द भामिनि पावैं।।

इकाई – II

प्र.2 जायसी के पठित काव्यांशों के आधार पर प्रेम तत्व की सोदाहरण विवेचना कीजिए। **(12)**

अथवा

प्र.2 (अ) संत कवियों के सामाजिक सरोकारों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **(6)**

(ब) कबीर के माया विषयक विचारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **(6)**

इकाई – III

प्र.3 तुलसीदास की 'विनयपत्रिका' में आत्मप्रकाशन पर सोदाहरण विवेचना कीजिए। **(12)**

अथवा

प्र.3 (अ) सूर के विरह वर्णन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **(6)**

(ब) ''सूरदास वात्सल्य रस का कोना–कोना झांक आए हैं''। समझाइए। **(6)**

इकाई – IV

प्र.4 (अ) मीरा की भक्ति भावना पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। **(6)**

(ब) रसखान की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(6)**

अथवा

प्र.4 (अ) ब्रजभूमि के प्रति रसखान का प्रेम किन–किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है? विवेचना कीजिए। **(6)**

(ब) मीरा के काव्य सौन्दर्य की विवेचना कीजिए। **(6)**

इकाई – V

प्र.5 (अ) काव्यगुण किसे कहते हैं? काव्यगुणों के सोदाहरण लक्षण लिखिए। **(6)**

(ब) शब्द शक्ति किसे कहते हैं? शब्द शक्तियों के उदाहरण सहित लक्षण लिखिए। **(6)**

अथवा

Q.5 (अ) यमक और श्लेश अलंकार में अंतर स्पष्ट कीजिए, तथा उदाहरण लिखिए। **(6)**

(ब) दोहा व सोरठा एक दूसरे से कैसे भिन्न हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। **(6)**